

dainikbhaskar.com

दैनिक भास्कर, जयपुर, सोमवार 22 अक्टूबर, 2018

11

डिजिटल सेगमेंट में 20% बढ़ी नौकरियां, स्किल्ड लोग न होने से डेटा साइंस में 50,000 पद खाली | कंपनियों के रैवेन्यू में डिजिटल का हिस्सा तीन साल में दोगुना

मंडे पॉजिटिव

पिछली तिमाही डिजिटल से टीसीएस का रैवेन्यू 60%, इन्फोसिस का 33.5% बढ़ा

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

देश में रजिस्टर्ड 10 लाख कंपनियों में से 75% ने या तो डेटा साइंस और मशीन लर्निंग क्षेत्र में निवेश किया है, या करने वाली हैं। गार्टनर का यह आंकड़ा बताता है कि डिजिटल स्पेस में नौकरियां बढ़ रही हैं। डिजिटल में भी कुछ सेगमेंट में जॉब्स की डिमांड पिछले साल से 20% ज्यादा है। आईटी कंपनियों के रैवेन्यू शेयर से भी यह साबित होता है। इनका करीब 30% रैवेन्यू डिजिटल से आ रहा है। तीन साल में यह दोगुना हुआ है। सितंबर तिमाही में इन्फोसिस का 31% रैवेन्यू डिजिटल सर्विसेज से आया। टीसीएस सीईओ राजेश गोपीनाथन का कहना है कि दो साल में एक-तिहाई रैवेन्यू डिजिटल से ही आया। अभी यह 28% है। डिजिटल सेगमेंट में रैवेन्यू बढ़ने की ग्राहक भी बाकी सेगमेंट से ज्यादा है। सितंबर तिमाही में डिजिटल से टीसीएस का रैवेन्यू 60% और इन्फोसिस का 33.5% बढ़ा है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनियों को पर्याप्त स्किल वाले लोग नहीं मिल पाने से डेटा साइंस, एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग में 50,000 पद खाली हैं। नैस्कॉम, फिक्की और ईवाई के अनुसार 5 साल बाद 9% नौकरियां ऐसी होंगी जो अभी हैं ही नहीं।

नौकरियों की डिमांड : 5 साल बाद 9% नौकरियां ऐसी होंगी जो अभी हैं ही नहीं, 37% नौकरियों के लिए बेहतर स्किल की जरूरत होगी

टीसीएस: 2015-16 में रैवेन्यू में डिजिटल का हिस्सा 13.8% था, अब 28% है। दो साल पहले ग्राहक 52% थी, अब 35% है।

इन्फोसिस: पिछले साल इसका करीब 24% रैवेन्यू डिजिटल सेगमेंट से आया। इस साल 31% हो गया है। ग्राहक भी 33% है।

विप्रो: पिछले साल रैवेन्यू में करीब 23% हिस्सा डिजिटल का था। जून तिमाही में यह 28% हो गया था।

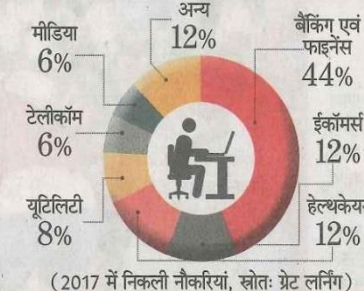
आईटी-बैंकिंग में दक्षता बढ़ाना ज्यादा जरूरी होगा

सेक्टर	नए तरह के जॉब	बेहतर दक्षता	जॉब पर खतरा
आईटी	10-20%	60-65%	20-35%
बैंकिंग-फाइनेंस	15-20%	55-60%	20-25%
ऑटोमोबाइल	5-10%	50-55%	10-15%
टेक्सटाइल	5-10%	35-40%	15-20%
रिटेल	5-10%	20-25%	15-20%

फाइनेंस, रिटेल सेक्टर में 13% बढ़ी नौकरियां

1,610 कंपनियों की सालाना रिपोर्ट के आधार पर तैयार केयर रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार 2017-18 में जॉब ग्राहक 3.8% रही, जो एक साल पहले 4.2% थी। फाइनेंशियल सर्विसेज और रिटेल में जॉब ग्राहक 13%, ऑटो में 10.3%, हेल्थकेयर में 9.1%, कंस्ट्रक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर में 9% और आईटी में 4.8% थी। टेलीकॉम में 7.6% गिरावट आई।

डिजिटल सेगमेंट में भी बैंकिंग-फाइनेंस सेक्टर में सबसे ज्यादा हैं मौके



इन 5 सेगमेंट में जॉब सबसे तेजी से बढ़ रहे हैं

- मशीन लर्निंग
 - इंजीनियरिंग
 - एप डेवलपमेंट
 - एनालिटिक्स
 - बैक-एंड डेवलपर
 - फुल-स्टैक डेवलपर
 - डेटा साइंटिस्ट
- (स्रोत: लिंकडइन)

आईटी



2022 में 45 लाख वर्कफोर्स होगी। इसमें 70-75% के लिए नई स्किल की जरूरत होगी। अभी हर साल वर्कफोर्स 6-6.5% की दर से बढ़ रही है। 5 साल बाद 3-3.5% होगी।

बैंकिंग



2022 में 20 लाख वर्कफोर्स होगी। इसमें 70-75% के लिए नई स्किल की जरूरत होगी। अभी हर साल वर्कफोर्स 4-4.5% की दर से बढ़ रही है। 5 साल बाद 3.5-4% होगी।

ऑटोमोबाइल



2022 में 1.43 करोड़ वर्कफोर्स होगी। इसमें 60-65% के लिए नई स्किल की जरूरत होगी। अभी हर साल वर्कफोर्स 3-3.5% बढ़ रही है। 5 साल बाद 2-2.5% होगी।

टेक्सटाइल



2022 में 4.07 करोड़ वर्कफोर्स होगी। इसमें 45-55% के लिए नई स्किल की जरूरत होगी। अभी हर साल वर्कफोर्स 9-9.5% बढ़ रही है। 5 साल बाद 8-8.5% होगी।

रिटेल



2022 में 2.2 करोड़ वर्कफोर्स होगी। इसमें 25-35% के लिए नई स्किल की जरूरत होगी। अभी हर साल वर्कफोर्स 2-2.5% की दर से बढ़ रही है। 5 साल बाद 0.5-1% होगी।

फुल-स्टैक डेवलपर्स को आईटी सेक्टर के औसत से दोगुना वेतन

कंपनियों को मल्टी-स्किल्ड प्रोफेशनल चाहिए, इसलिए फुल-स्टैक डेवलपर्स की डिमांड इस साल 20% ज्यादा है। फुल-स्टैक डेवलपर उन्हें कहते हैं जो एप्लिकेशन के फ्रंट-एंड और बैक-एंड दोनों काम कर सकते हैं। हायरिंग कंपनी बिलॉन के अनुसार फुल-स्टैक डेवलपर्स को आईटी सेक्टर के औसत से दोगुना वेतन मिल रहा है। न्यूनतम वेतन 10-15 लाख है। ज्यादा अनुभव वालों को 40 लाख रु. तक

मिल रहे हैं। फिलहाल ऐसे डेवलपर बंगलुरु, एनसीआर, पुणे और हैदराबाद में ज्यादा हैं। 65% टैलेंट इन्हीं शहरों में है। देश के फुल स्टैक डेवलपर्स पूल में करीब 30% योगदान बंगलुरु का है। इस टैलेंट पूल को ज्यादा नौकरियां आईटीईएस सेक्टर दे रहा है। फुल स्टैक डेवलपर्स का सालाना पैकेज 10-15 लाख रु. है। ज्यादा अनुभव (8-20 साल) होने पर यह 40 लाख रुपए तक जाता है।

(स्रोत: नैस्कॉम, फिक्की और ईवाई की सर्वे रिपोर्ट)